

(संख्या १५० ६१५/२२ का) पत्र है।

६/५/२२

लादी एवं वकील लादी उप. नहीं। लादी-
सार आलाप दिखायी गई। किन्तु कोई
उप. नहीं आया। ऐसी स्थिति में दादा
लादी अदम हाजरी एवं अदम पैरवी
में स्वार्थी किभा जाता है। पत्र दारिद्र्य
दफतर है।

उपखण्ड अधिकारी
पहाड़ी (भरतपुर)